No. of Printed Pages : 3

BSKC–105

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत

(बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.एस.के.सी.–105 : लौकिक संस्कृत साहित्य (नाटक)

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं। तीनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

खण्ड-क

(व्याख्या आधारित प्रश्न)

1. अधोलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **तीन** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए– 10×3=30

(क) श्रुत्वा ते वनगमनं वधूसहायं
सौभ्रात्रव्यवसितलक्ष्मणानुयात्रम्।
उत्थाय क्षितितलरेणुरूषिताङ्गः
कान्तारद्विरद इवोपयाति जीर्णः।।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(ख) पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपीतेषु या
नादत्ते प्रियमण्डनाऽपि भवतां स्नेहेन या पल्लवम्।
आद्ये वः कुसुमप्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः
सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वैरनुज्ञायताम्।।

(ग) उल्लङ्घयन् मम समुज्ज्वलतः प्रतापं
कोपस्य नन्दकुलकाननधूमकेतोः।
सद्यः परात्मपरिमाणविवेकमूढः
कः शालभेन विधिना लभतां विनाशम्।।

(घ) स्वचछन्दमेकचरमुज्ज्वलदानशक्तिम्
उत्सेकिना बलमदेन विगाहमानम्।
बुद्ध्या निगृह्य वृषलस्य कृते, क्रियायाम्
आरण्यकं गजमिव प्रगुणीकरोमि।।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. भास विरचित नाटकों में से रामकथाश्रित नाटकों का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत कीजिए। 5

3. 'अनुचरति शशाङ्क राहुदोषेऽपि तारा' इस सूक्ति का विस्तृत विवेचन कीजिए। 5

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

4. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' नाटक के आधार पर 'कण्व' का चरित्र-चित्रण कीजिए। 5

5. 'मुद्राराक्षस' नाटक के नामकरण की सार्थकता पर प्रकाश डालिए। 5

6. राजशेखर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का वर्णन कीजिए। 5

खण्ड-ग

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

7. रूपक के दस भेदों का सविस्तार विवेचन कीजिए। 10

8. 'मुद्राराक्षस' नाटक के आधार पर 'चाणक्य' की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 10

9. 'प्रतिमानाटकम्' की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $5\times3=15$

(क) कंचुकी

(ख) सूत्रधार

(ग) अपवारित

(घ) प्रवेशक

× × × × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com